हरिभूमि
# सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, गुरुवार, 27 फरवरी 2025

11 कांग्रेस पार्टी के पास प्रदेश में संगठन का अभाव : सैलजा

12 महाशिवरात्रि पर शिवालयों में गूंजे 'बम-बम भोले' के जयघोष...

## खबर संक्षेप

### अजीतसर गुरुद्वारा में धार्मिक कार्यक्रम आज

**रतिया।** फतेहाबाद रोड पर स्थित गुरुद्वारा श्री अजीतसर साहिब में 27 फरवरी को अमावस्या का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। गुरुद्वारा साहिब के मुख्य सेवादार बाबा सतनाम सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान श्री अखंड पाठ साहिब जी के पाठ का भोग डाला जाएगा तथा श्रद्धालुओं के लिए अटूट लंगर भी चलाया जाएगा। इस पर आमवस्या पर संगत को कथा-कीर्तन से निहाल किया जाएगा।

### मेले में श्रद्धालुओं ने माथा टेका, मांगी मन्नतें

**रतिया।** गांव बलियाला में बीबी फातिमा बोदली का वार्षिक मेला बड़ी धूमधाम व श्रद्धा के साथ मनाया गया। मेले में बलियाला के अलावा नंगल, बोड़ा, लाली, खैरपुर, प्लाट, मिराना, लुठेरा, सरदारेवाला, खाई, महमदकी, पिलछियां सहित अनेक गांवों के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मेले के दौरान अनेक दुकानदारों ने विभिन्न वस्तुओं की दुकानें सजा रखी थी जहां पर श्रद्धालुओं को खरीदारी करते हुए देखा गया। मेले में कल शाम से ही बीबी बोदली की समाधि पर श्रद्धालुओं की भीड़ जमा होने लग गई थी। सेवादारों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से गांव में बीबी बोदली का मेला लगाया जा रहा है।

### अलग-अलग स्थानों से चार युवतियां लापता

**फतेहाबाद।** जिले में अलग-अलग स्थानों से चार युवतियों के लापता होने का समाचार है। सभी मामलों में परिजनों द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। जाखल पुलिस को दी शिकायत में नई बस्ती जाखल निवासी एक व्यक्ति ने कहा है कि उसकी 18 साल की लडक़ी गत दिवस बिना बताए घर से कहीं चली गई है और उसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी है। इस पर उन्होंने उसकी काफी जगह तलाश की लेकिन जब उसका कहीं कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में जाखल पुलिस ने केस दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

### गोशाला में 8 लाख से बने शैड का उद्घाटन

**भूना।** श्री गोरखनाथ गौशाला गोरखपुर में बुधवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर जिला परिषद सदस्य सुमन सिवाच ने लोहे के शेड का उद्घाटन किया। यह शेड परिषद कोटे से 8 लाख रुपये की लागत से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह शेड गायों की सुविधा के लिए बनाया गया है। गर्मी और सर्दी में गोवंश को आराम देगा। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को गाय की सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। गाय पूजनीय है और उसका दूध औषधि के समान है। हर घर में कम से कम एक देसी गाय का पालन जरूरी है।

### 102 ग्राम अफीम सहित एक युवक को दबोचा

**ऐलनाबाद।** सीआईए ऐलनाबाद पुलिस उधम सिंह चौक टिब्बी अड्डा ऐलनाबाद क्षेत्र से एक युवक को हजारों रुपए की 102 ग्राम अफीम के साथ काबू किया है। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम के प्रभारी जगदीश चंद्र ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान जगदीप सिंह पुत्र हरदेव सिंह निवासी बेहर वाला कलां हनुमानगढ़, राजस्थान के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सीआईए ऐलनाबाद कि एक पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान नजदीक उधम सिंह चौक टिब्बी अड्डा ऐलनाबाद क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी को बस स्टैंड टिब्बी की तरफ से एक युवक पैदल चलकर आता हुआ दिखाई दिया। उक्त युवक ने सामने पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर युवक को काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जा से हजारों रुपए की 102 ग्राम अफीम बरामद हुई।

*यात्रा प्रतिदिन 30 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और 8 मार्च को खाटू श्याम पहुंचेंगी*

# फतेहाबाद से खाटू श्याम के लिए 301 किलोमीटर की यात्रा का ध्वजा लेकर रवाना हुआ श्रद्धालुओं का जत्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

**फतेहाबाद।** खाटू श्याम के लिए हाथों में ध्वजा लेकर रवाना होता पैदल जत्था व श्याम भक्तों के पैदल जत्थे के आगे चलता रथ व रथ में पूजा अर्चना करते पंडित सूरज शर्मा। फोटो : हरिभूमि

राजस्थान के सीकर जिले में स्थित बाबा खाटू श्याम में आयोजित होने वाले लखी मेले में भाग लेने के लिए बुधवार को श्री श्याम प्रचार समिति का पैदल जत्था फतेहाबाद से रवाना हुआ। दर्जनों श्यामभक्तों के जत्थे में महिला, पुरूष और बच्चें भी शामिल थे। हाथों में ध्वजा लिए निकले इस जत्थे में श्यामभक्तों में जबरदस्त उत्साह नजर आ रहा था। यह यात्रा आज सुबह तहसील चौक स्थित श्री श्याम मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद रवाना हुई। पैदल जत्थे के आगे श्री श्याम बाबा का रथ चल रहा है, जिसमें श्री श्याम मंदिर के पुजारी सूरज शर्मा बाबा की पूजा अर्चना कर रहे हैं। सैंकड़ों श्यामभक्तों ने जयकारे के साथ इस जत्थे को यहां से रवाना किया। यह जत्था 301 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी करते हुए 8 मार्च को खाटू श्याम पहुंचेगा।

श्याम प्रचार समिति के नेतृत्व में बुधवार सुबह ही श्रद्धालु श्री श्याम मंदिर में एकत्रित होना शुरू हो गए। हाथों में गुलाबी रंग की ध्वजा लिए श्यामभक्त तहसील चौक से जवाहर चौक, डीएसपी रोड होते हुए नेशनल हाइवे पहुंचे। फतेहाबाद से रवाना हुए जत्थे का पहला विराम अग्रोहा में होगा। यह यात्रा प्रतिदिन 30 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और 11 दिन की यात्रा के बाद 8 मार्च को खाटू श्याम पहुंचेंगी। 8 मार्च को फाल्गुन मेले के अवसर पर श्री श्याम बाबा का महोत्सव खाटू श्याम में धूमधाम से मनाया जाएगा। इस मौके पर फतेहाबाद की ओर से श्री श्याम सेवा सदन फतेहाबाद के सामने मण्डा रोड पर 8 मार्च से 11 मार्च तक विशाल भण्डारा लगाया जाएगा। इस अवसर पर श्याम मंदिर के प्रधान डॉ. सुभाष शर्मा, मंदिर के पुजारी सोनू शर्मा, यात्रा में शामिल रहे राजू सरदाना आदि मौजूद रहे।

### 15 फरवरी को भी निकाली गई थी ध्वजा यात्रा

*बता दें कि इससे पूर्व 15 फरवरी को श्याम बाबा के फाल्गुन महोत्सव के वार्षिक मेले के उपलक्ष्य में माघ पूर्णिमा पर फतेहाबाद में श्री श्याम प्रचार समिति द्वारा भव्य ध्वजा यात्रा निकाली गई थी। उस दिन फतेहाबाद में खाटू धाम जैसा भव्य नजारा देखने को मिला। शोभा यात्रा को लेकर पूरे शहर को रंग-बिरंगी लाइटों और स्वागत द्वारों से सजाया गया था। शोभा यात्रा के दौरान श्याम भक्त भजनों पर जमकर झूमते नजर आए। नीले घोड़े के रथ पर सवार श्याम बाबा यात्रा के आगे-आगे चल रहे थे। इससे पूर्व महिला मंडल की सदस्य 56 भोग का प्रसाद लेकर यात्रा की अगुवाई कर रही थी।*

## 22 सालों के बाद तापमान अभी बार्डर लेवल पर

*27 फरवरी से 1 मार्च तक गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी व बारिश की संभावना*

# बढ़ते तापमान से छूटे पसीने फरवरी माह में ही चले पंखे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

**फतेहाबाद।** खेतों में तेज धूप में खड़ी गेहूं की फसल।

पिछले कई दिनों से पश्चिमी विक्षोभ के निष्क्रिय होने व मौसम विभाग की भविष्यवाणी के विपरीत पड़ रही तेज धूप से गेहूं उत्पादक किसानों में बेचेनी उत्पन्न हो गई।

■ गेहूं को लेकर किसानों के साथ कृषि विशेषज्ञ भी चिंतित

बुधवार को तो बादलवाही के बावजूद यहां का अधिकतम तापमान 28 डिग्री को छू गया वहीं न्यूनतम तापमान 18 डिग्री दर्ज किया गया जोकि फरवरी माह में सर्वाधिक होने का रिकार्ड है। बुधवार को हालात यहां तक थे कि लोगों का गर्म कपड़े पहनना तो दूर पसीने के कारण पंखे चलाने पड़ रहे थे। ऐसा 22 साल पहले देखा गया था। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अब तापमान बढ़ता है तो गेहूं उत्पादन पर इसका विपरीत असर पड़ेगा। हालांकि मौसम विभाग ने अब भी 1 मार्च तक बारिश की संभावना जता रखी है। बता दें कि दिसम्बर से लेकर अब तक जिले में बारिश नहीं हुई। इस गर्मी ने गेहूं के लिए संकट खड़ा कर दिया है। मौसम विभाग ने 27 फरवरी से 1 मार्च तक गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी व बारिश होने की संभावना जताई है। अगर मौसम विभाग की भविष्यवाणी सच होती है तो तापमान में गिरावट आना निश्चित है।

फरवरी के पहले सप्ताह तक तापमान 17 डिग्री से नीचे चल रहा था। हालांकि मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने से बादलवाई व बरसात की संभावना व्यक्त की थी लेकिन इसके विपरीत यहां तेज धूप ने मौसम के तेवर बदल दिए। तेज धूप के चलते यहां का न्यूनतम तापमान अब 18 डिग्री पहुंच गया वहीं अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस तक चल रहा है। इससे पूर्व न्यूनतम तापमान 12 से 14 डिग्री के बीच घूम रहा था। इस बार दिसम्बर और जनवरी में भी बारिश न होने से गेहूं व सरसों की फसल पर संकट के बादल मंडराते रहे। पहले धुंध व पाले ने गेहूं की फसल के लिए संजीवनी का काम किया है लेकिन अब बरसात न होने से और तेज धूप पडऩे से फिर गेहूं की फसल के उत्पादन को लेकर कृषि विशेषज्ञों की चिंता बढ़ गई है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे ही तापमान बढ़ता रहा तो गेहूं के दाने का रस सूख जाएगा। इसके बाद गेहूं का दाना सिकुडऩा शुरू हो जाएगा। दाना कमजोर होने से इसका असर गेहूं उत्पादन पर पड़ेगा। जिला में इस बार दिसम्बर में बारिश न होने से गेहूं की बिजाई भी मात्र 1 लाख 85 हजार हैक्टेयर भूमि पर हो गई जबकि पिछले वर्ष जिले में गेहूं का रकबा ज्यादा था। गांव नागपुर के किसान अरूण मेहता ने बताया कि यही तेज धूप अगले महीने तक पड़ती रही तो गेहूं व चने के लिए घाटे का सौदा बन जाएगा।

### 22 साल में पहली बार फरवरी में इतनी गर्मी

बरसात न होने से चना व सरसों की फसल काली पडऩी शुरू हो जाती है और उसकी बढ़वार रूक जाती है, जिसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ता है। पीछे अच्छी धुंध ने बरसात का काम चलाया लेकिन अब तेज धूप नुकसानदायक साबित हो रही है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि किसान अच्छी सिंचाई करें। पिछले 22 सालों में ऐसा पहली बार हुआ है कि दिसम्बर में एक बार भी बरसात नहीं हुई जबकि जनवरी में नाममात्र ही बरसात हुई।

### तापमान इससे ऊपर गया तो होगा नुकसान

कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश सिहाग ने बताया कि अभी तापमान बार्डर लेवल पर चल रहा है। अगर थोड़ा-सा भी तापमान बढ़ता है तो उसका गेहूं के उत्पादन पर विपरीत असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि 30 डिग्री के आसपास तापमान पहुंचा तो फिर किसानों के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

# अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

**सिरसा।** पुलिस हिरासत में पकड़े गए मोटरसाइकिल चोर गिरोह के सदस्य।

■ करीब 16 मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों का खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

एंटी व्हीकल थेप्ट स्टाफ की पुलिस टीम ने जांच के दौरान महत्वपूर्ण सुराग जुटाते हुए अंतरराज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के तीन सदस्य को काबू करने में सफलता हासिल की है। बुधवार को पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान पवन कुमार पुत्र राजेराम,सतपाल उर्फ पाली पुत्र नौरंग लाल निवासियान गांव बकरियांवाली जिला सिरसा व मदन लाल पुत्र राजपाल निवासी ललाणा,राजस्थान के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के दौरान मोटरसाइकिल चोरी की 16 वारदातों का खुलासा हुआ है।

### आरोपियों से की पूछताछ

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गौरव अरोडा पुत्र केवल कृष्ण निवासी भारत नगर,कंगनपुर रोड़ सिरसा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह बीती 29 अक्तूबर 2023 को कीर्ति नगर की गली नंबर 6 में मोटरसाइकिल खड़ा कर किसी काम से चला गया था और आधे घंटे बाद आकर देखा तो मोटरसाइकिल को कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी करके ले गया। शिकायत के आधार पर थाना शहर सिरसा में अज्ञात लोगों के खिलाफ मोटरसाइकिल चोरी का अभियोग दर्ज कर जांच शुरु की गई थी। उन्होंने बताया कि बाइक चोरी की वारदातों को सुलझाने के लिए एंटी व्हीकल स्टाफ प्रभारी उप निरीक्षक संदीप कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर जांच सौंपी थी । एसपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ की गई तो आरोपियों ने शहर सिरसा व ऐलनाबाद के अलावा फतेहाबाद, राजस्थान के नोहर व गोगामेड़ी क्षेत्रों से बाइक चोरी की करीब 16 वारदातों को कबूला।

*इलैक्ट्रिक बसें चलाने के फैसले पर जताया विरोध*

# रोडवेज कर्मी 24 को करेंगे दिल्ली कूच

**फतेहाबाद।** गेट मीटिंग के दौरान सरकार के खिलाफ रोष जताते रोडवेज कर्मचारी।

■ इलैक्ट्रिक बसें चलाने के निर्णय को रद करे सरकार : रोडवेज नेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन सम्बंधित सर्व कर्मचारी संघ डिपो फतेहाबाद के कर्मचारियों की गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। गेट मीटिंग की अध्यक्षता डिपो प्रधान व राज्य वरिष्ठ उप प्रधान शिवकुमार श्योरान ने की तथा मंच संचालन सचिव सुबे सिंह ने किया। ऑल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरबत सिंह पूनिया, राज्य उपमासचिव पवन शर्मा, राज्य प्रेस प्रवक्ता पृथ्वी सिंह चाहर तथा केंद्रीय कमेटी सदस्य जयवीर सिंह तालू, राज्य वरिष्ठ उप प्रधान शिवकुमार श्योराण व व सुबे सिंह धनाना ने कर्मचारियों से 24 मार्च के दिल्ली कूच में बढ़चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया।

### विभिन्न मांगे लंबित

रोडवेज नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों की विभिन्न मांगे पिछले लंबे समय से लंबित हैं। सरकार कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान ना करके उल्टे विभाग को ही निजीकरण की तरफ धकेल रही है। हाल ही में सरकार ने नई इलेक्ट्रिक बसें प्राइवेट हाथों में देने का निर्णय किया है। सरकार निजी इलेक्ट्रिक बसें चलाने के निर्णय को रद्द करें तथा विभाग में सरकारी बसें शामिल करें। इलैक्ट्रिक बसें 62 रुपए पर किलोमीटर के हिसाब से चलने का निर्णय है। उन्होंने कहा एक इलेक्ट्रॉनिक बस के बदले साधारण 6 बसें आती है, जो पूरे हरियाणा प्रदेश में सभी डिपो में 50-50 बसें लेने का जो निर्णय है, अगर उसकी जगह पर साधारण 300-300 बसें डिपो के बेड़े में शामिल हो तो हरियाणा प्रदेश में लगभग 7200 से अधिक बसें उपलब्ध होगी। सरकारी बसों पर 4300 बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। और जनता को बेहतर परिवहन सेवा मिलेगी।

### ट्राली और कार में टक्कर से युवक की मौत का मामला चालक पर केस दर्ज

**फतेहाबाद।** गांव जाण्डली खुर्द के पास बारातियों की कार के पराली से भरी ट्राली से टकराने और हादसे में एक युवक की मौत होने के मामले में भूना पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इस बारे पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नं. 5 भूना निवासी पवन कुमार ने कहा है कि उसके चाचा महेन्द्र सिंह के लडक़े अजय की शादी थी और बारात चबरवाल गई हुई थी। शादी के बाद वह भूना के ही साथियों के साथ कार में सवार होकर भूना आ रहे थे। जैसे ही वह गांव जाण्डली खुर्द के पास पहुंचे तो उनकी गाड़ी के आगे पराली की गांठों से भरा ट्रैक्टर-ट्राली सडक के बीच में चल रहा था। उन्होनें क्रॉस करने की कोशिश की तो ट्रैक्टर चालक ने कट मार दिया जिससे उनकी गाड़ी ट्राली में लगी। इस हादसे में गाड़ी में सवार राजेश की मौत हो गई ।

# सीएम 28 को जाखल में जनसभा को करेंगे संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

■ भजन गायक कन्हैया मित्तल भी रहेंगे मौजूद

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 28 फरवरी को फतेहाबाद की जाखल मंडी का दौरा करेंगे। वे भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र मित्तल के पक्ष में प्रचार करेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा ने यह जानकारी दी है। ग्रोहा ने बताया कि कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के स्वागत की तैयारियों में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में जाखल में रिकॉर्ड विकास कार्य हुए हैं, इसलिए जनता प्रदेश के मुख्यमंत्री को सुनने आ रही है। 18 फरवरी को सुरेंद्र मित्तल के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान एक रोचक प्रसंग हुआ। जब मुख्यमंत्री ने जाखल मंडी के बारे में पूछा, तो ग्रोहा ने कहा कि आपके आने के बाद यह और बड़ा हो जाएगा। टोहाना में मेडिकल कॉलेज के विषय पर ग्रोहा ने बताया कि जमीन संबंधी मामला सुलझा लिया गया है।

### किसान संगठन कुलां सब तहसील कार्यालय पर देंगे धरना

**फतेहाबाद।** टोहाना में अखिल भारतीय किसान सभा, खेत मजदूर यूनियन और सीटू ने संयुक्त बैठक में धरने का निर्णय लिया। किसान सभा के जिला उपप्रधान जगतार सिंह ने बताया कि तीनों संगठन 28 फरवरी को सब तहसीलदार कुलां कार्यालय पर धरना देंगे। बता दें कि 28 फरवरी को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जाखल मंडी में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए आ रहे हैं। किसान संगठनों को उम्मीद है कि मुख्यमंत्री उनकी मांगों पर ध्यान देंगे। जगतार सिंह ने बताया कि उन्होंने बताया कि धरने के माध्यम से कुलां में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा घोषित मेडिकल कॉलेज का निर्माण शुरू करने, कुलां को ब्लॉक का दर्जा और उप तहसील में स्थायी तहसीलदार की नियुक्ति करने की मांग की जाएगी। इसके अलावा किसान हितों से जुड़ी मांगों में धारसूल पैक्स में चेयरमैन चुनाव, समय पर खाद-बीज की उपलब्धता, पेंडिंग ट्यूबवेल कनेक्शन और बिजली बिलों में अतिरिक्त चार्ज हटाने की मांगों को भी उठाया जाएगा। जगतार सिंह ने कहा कि किसान संगठनों की मांग है कि स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए रसूलपुर में गुरु रविदास मेडिकल कॉलेज का निर्माण और कुलां, इंदाछुई व म्योंद पीएचसी में पूर्ण स्टाफ की नियुक्ति की जाए। यातायात व्यवस्था के लिए कुलां चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाएं।

**राजनीति** | नगर निकाय चुनाव: एक-दूसरे पर लगाए जा रहे हैं आरोप-प्रत्यारोप

*भाजपा ने झोंकी ताकत, कांग्रेस के स्थानीय नेता चुनाव प्रचार से दूर*

# विधायक गोकुल सेतिया व पूर्व विधायक गोपाल कांडा में जुबानी घमासान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

नगर निकाय चुनाव को लेकर चुनावी प्रचार तेज हो गया है। नेता एक-दूसरे पर कटाक्ष कर रहे हैं। सिरसा में निकाय चुनाव कांग्रेसी विधायक गोकुल सेतिया व पूर्व विधायक एवं हलोपा सुप्रीमो गोपाल कांडा दिलचस्प बना दिया है। रोजाना एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। चुनावी प्रचार के दौरान पूर्व विधायक गोपाल कांडा ने विधायक गोकुल सेतिया के विकास के दावों को बकवास करार दे दिया। इसके साथ ही उन्होंने विधायक को यूट्यूबर, फेसबुकिया करार दिया है। वहीं गोकुल सेतिया भी अपनी जनसभाओं में गोपाल कांडा पर कटाक्ष कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि नगर परिषद चुनाव में 7 उम्मीदवार चेयरमैन पद पर चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें भाजपा के शांतिस्वरूप बाल्मीकि, कांग्रेस की जसविंदर कौर, जेजेपी के प्रवीण कुमार, इनेलो के ओमप्रकाश, आम आदमी पार्टी की कविता नागर, निर्दलीय प्रत्याशी अशोक चिंडालिया और राजेंद्र कुमार शामिल हैं। मतदाताओं को लगता है कि चुनाव विधायक गोकुल सेतिया व पूर्व विधायक गोपाल कांडा के बीच है। भारतीय जनता पार्टी के विधायक, मंत्री व अनेक नेता शहर का दौरा कर चुके हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी के अधिकांश नेताओं ने विधायक के विरूद्ध बयानबाजी से गुरेज किया है। बीजेपी नेताओं के बयानों का फोकस ट्रिपल इंजन सरकार बनाने का है। वहीं दूसरी ओर विधायक गोकुल सेतिया व पूर्व विधायक गोपाल कांडा एक दूसरे के खिलाफ ओच्छी बयानबाजी पर उतारू हैं और एक-दूसरे पर शब्दबाणों की बौछार कर रहे हैं।

### भाजपा-हलोपा एकसाथ कमल के निशान पर लड़ रहे चुनाव

निकाय चुनाव में जहां कांग्रेसी विधायक ने प्रधान पद की उम्मीदवार जसविंद्र कौर के लिए जोर लगा रखा है, वहीं स्थानीय कांग्रेस नेता प्रचार से दूर हैं। अकेले विधायक ही चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे हैं। विधायक द्वारा कुछ स्थानीय कांग्रेस नेताओं पर की गई गोभी खोद की टिप्पणी से नाराज बताए जा रहे हैं जो कि कांग्रेस के लिए चुनाव में मुश्किल खड़ी कर सकती है। ये नेता ने तो चेयरमैन पद की प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और न ही वार्ड पार्षदों के लिए वोट मांग रहे हैं। वहीं भाजपा नेता चुनावी प्रचार में पूरी ताकत झोंकी हुई है। भाजपा-हलोपा नगर निकाय चुनाव एकसाथ कमल के निशान पर लड़ रहे हैं। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी व हलोपा सुप्रीमो गोपाल कांडा चुनाव प्रचार की कमान संभाले हुए हैं। इससे भी दिलचस्प बात यह है कि एक तरफ तो भाजपा नेता विधायक के खिलाफ बयानबाजी नहीं कर रही वहीं वीरभान मेहता, राजकुमार शर्मा, नवीन केडिया, आनंद बयानी सरीखे वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी अभी तक कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में नहीं उतरे हैं।

स्पेशलः वर्ल्ड ओबेसिटी-डे, 4 मार्च

# बढ़ते वजन के साथ बढ़ती हैं अनेक बीमारियों की आशंका

पूरी दुनिया में ओवरवेट होना यानी मोटापा, एक बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम बन कर उभर रहा है। मोटापे की समस्या किसी भी व्यक्ति को रातों-रात यानी अचानक उत्पन्न नहीं होती है। लंबे समय तक गलत जीवनशैली और अस्वास्थ्यकर खान-पान, मोटापे की समस्या उत्पन्न करते हैं। यह स्थिति कई अन्य बीमारियों की वजह बनती है। इस बारे में जानना सभी के लिए जरूरी है

डॉक्टर एडवाइस
डॉ. प्रतीक पोरवाल
जी.आई. सर्जन
कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

आमतौर पर मोटापा वह शारीरिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति के शरीर में वसा की मात्रा बढ़ जाती है। जब किसी व्यक्ति की लंबाई के अनुपात में उसका वजन एक निश्चित मानक सीमा से अधिक हो जाता है तो उसे मोटापे की स्थिति कहा जाता है।

## क्या है मॉर्बिड ओबेसिटी

मॉर्बिड ओबेसिटी या रुग्ण रोगिष्ठ मोटापा एक ऐसी स्थिति है, जहां किसी व्यक्ति के शरीर में अत्यधिक मात्रा में वसा संचित होती है, जो उसके स्वास्थ्य पर अत्यंत प्रतिकूल प्रभाव डालती है। ऐसा मोटापा गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। इसे आमतौर पर 40 या उससे अधिक के बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) द्वारा परिभाषित किया जाता है।

## मोटापा और बीएमआई

मोटापे के आकलन की सबसे प्रमुख विधि बॉडी मास इंडेक्स संक्षेप में बीएमआई है। कमर की माप से भी मोटापे का अंदाजा लगाया जा सकता है, लेकिन मान्य और प्रचलित विधि बीएमआई ही है। बीएमआई की गणना के लिए पहले किसी व्यक्ति के वजन को किलोग्राम में मापा जाता है और फिर उसे उसकी लंबाई के मीटर वर्ग से विभाजित किया जाता है।

## मॉर्बिड ओबेसिटी के लक्षण

- थोड़ा शारीरिक श्रम करने पर सांस फूलने लगती है। बैठने और चलने-फिरने में दिक्कत महसूस करना।
- जोड़ों और कमर में दर्द की समस्या के मामले ऐसे लोगों में ज्यादा होते हैं।
- जरा सा भी शारीरिक श्रम करने पर थकान महसूस करना।
- सोते समय खर्राटे लेना और रात में अचानक घबराहट होने पर उठ जाना (स्लीप एपीनिया)।

## ओबेसिटी के कारण

**व्यायाम न करना:** जो लोग नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते या कम शारीरिक श्रम करते हैं, उनके मोटे होने की संभावना बढ़ जाती है। मोटापे के अधिकांश मामलों में एक व्यक्ति जितनी कैलोरी बर्न करता है, उससे बहुत अधिक कैलोरी ग्रहण करता है। शरीर द्वारा इस्तेमाल न की जाने वाली कैलोरी वसा के रूप में संचित हो जाती है।

**जंक फूड्स:** लगभग हर दिन अत्यधिक चिकनाई युक्त आहार ग्रहण करना या फिर अकसर जंक फूड्स लेना मोटापे से ग्रस्त कर देता है। इसके अतिरिक्त जो लोग अपने खान-पान में फलों और सब्जियों को वरीयता नहीं देते हैं, वे भी मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं।

**मानसिक तनाव:** कालांतर में यह नकारात्मक मानसिक अवस्था भी मोटापे का कारण बन सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से शरीर में हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं। हार्मोंस के असंतुलन की स्थिति से मोटापा बढ़ सकता है।

**वंशानुगत कारण:** इनसे भी मोटापा बढ़ सकता है। जैसे अगर मां-बाप अपने जीवन काल में मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं तो उनकी संतानों में भी मोटापा बढ़ना संभव है।

**थायरॉइड ग्रंथि के विकार:** इस ग्रंथि के असंतुलन या विकार से भी मोटापा बढ़ने की संभावना रहती है।

## मोटापे से होने वाली समस्याएं

जो लोग अत्यधिक मोटापे से ग्रस्त हैं, उनमें इन स्वास्थ्य समस्याओं के होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। जैसे- उच्च रक्त चाप, हृदय की बीमारियां, डायबिटीज टाइप 2, स्ट्रोक, अर्थराइटिस, सोते समय खर्राटे भरना या स्लीप एपीनिया, मोटापे से ग्रस्त लोगों में आंतों और स्तन कैंसर होने के मामले कहीं ज्यादा हो सकते हैं। गर्भवती महिलाओं में अत्यधिक वजन के बढ़ने से उनके गर्भस्थ शिशु को भी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा जो लोग पहले से ही उपरोक्त बीमारियों से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने वजन नियंत्रण पर डॉक्टर से परामर्श लेकर विशेष ध्यान देना चाहिए, तभी वे उपरोक्त समस्याओं को नियंत्रित कर सकते हैं।

**मनोवैज्ञानिक समस्याएं:** जो नवयुवक या नवयुवतियां अत्यधिक मोटापे से ग्रस्त हैं, उनके अंदर कुछ मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। जैसे वे शारीरिक रूप से हीनता ग्रंथि के शिकार हो सकते हैं। उन्हें लोगों से मिलने-जुलने में अच्छा महसूस नहीं होता।

**इनफर्टिलिटी:** मोटापा और बांझपन (इनफर्टिलिटी) के बीच एक गहरा संबंध है। अधिक वजन और मोटापा महिलाओं और पुरुषों दोनों में प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं।

## ऐसे करें वेट कंट्रोल

पहली बात तो यह समझ लें कि मोटापे को किसी भी दवा या किसी मेडिकल चमत्कार से चंद घंटों या दिनों में दूर नहीं किया जा सकता। मोटापे को नियंत्रित करने के संदर्भ में किसी भी व्यक्ति की उम्र, शारीरिक स्थिति और उसकी मेडिकल कंडीशन के बारे में जानना आवश्यक है।

**कब लें डॉक्टर से परामर्श:** जिन लोगों का वजन बीएमआई के मानकों से परे जाकर बढ़ता जा रहा है या जो लोग पहले से ही मोटापे से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। डॉक्टर आपको अपनी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन करने और स्वास्थ्यकर खान-पान के संदर्भ में समुचित जानकारी देंगे। इस संदर्भ में डॉक्टर आप से कुछ सवाल भी पूछ सकते हैं। जैसे आप डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर अन्य किसी रोग से पीड़ित तो नहीं हैं, फिलहाल आप क्या दवाएं ले रहे हैं, शराब या धूम्रपान के तलबगार तो नहीं हैं। आप व्यायाम या शारीरिक गतिविधियों में भाग लेते हैं या नहीं। इसके अलावा डॉक्टर आपकी बीएमआई भी चेक कर सकते हैं और अगर आपको कोई बीमारी है तो उससे संबंधित जांच भी करवा सकते हैं। डॉक्टर आपको डायटिशियन के पास भी रेफर कर सकते हैं और इस संदर्भ में व्यायाम या योगासन के लिए किसी विशेषज्ञ को भी रेफर कर सकते हैं। अत्यधिक मोटापाग्रस्त होने की स्थिति में वे आपको बैरियाट्रिक सर्जन से परामर्श लेने की भी राय भी दे सकते हैं।

## तब करवाएं बैरियाट्रिक सर्जरी

बैरियाट्रिक सर्जरी एक प्रकार की सर्जरी है, जिसका उद्देश्य अत्यधिक मोटापे का इलाज करना है। यह सर्जरी विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए होती है, जिनका बीएमआई 40 या उससे अधिक होता है, या जिनका बीएमआई 35-39.9 होता है और उन्हें मोटापे से संबंधित गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जैसे कि डायबिटीज, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप आदि। इसके अलावा यदि किसी व्यक्ति ने आहार और व्यायाम के माध्यम से वजन घटाने की कोशिश की है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली, तो बैरियाट्रिक सर्जरी का विकल्प दिया जा सकता है।

## ऐसे निर्धारित करते हैं मोटापा

**यदि किसी** व्यक्ति का बीएमआई 18.5 या उससे नीचे है, तो इसका आशय है कि उसका वजन सामान्य से कम है, वह

अंडरवेट है। ऐसा व्यक्ति कुपोषण का शिकार हो सकता है। किसी व्यक्ति का बीएमआई 18.5 से 24.9 के मध्य है तो उसका वजन सामान्य है, जिसे नॉर्मल वेट कहते हैं। अगर किसी व्यक्ति का बीएमआई 25 से 28 के मध्य है, तो उसका वजन अधिक है, उसे ओवरवेट कहा जाता है। बीएमआई 28 से 30 के मध्य है तो उसे ग्रेड-1 मोटापे की श्रेणी में रखा जाता है। अगर बीएमआई 31 से 40 के मध्य है तो उसे ग्रेड-2 मोटापा माना जाता है। अगर बीएमआई 40 से अधिक है तो उसे अत्यधिक गंभीर मोटापा (रुग्ण रोगिष्ठ मोटापा) माना जाता है।

आमतौर पर पुरुषों में 94 सेमी. या फिर इससे अधिक और महिलाओं में 80 सेमी. या इससे अधिक कमर की माप को स्वास्थ्य के प्रतिकूल माना जाता है।

## वेट कंट्रोल का डाइट प्लान

मोटापे को नियंत्रित करने में खान-पान का व्यायाम की तुलना में कहीं ज्यादा महत्व है। मोटापे को कम करने में 90% स्वास्थ्यकर खान-पान और 10% वर्कआउट व्यायाम की स्थिति आदर्श मानी जाती है। वजन को नियंत्रित करने के लिए कई डाइट प्लान हैं, जिन पर अपने डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेकर ही अमल करना चाहिए। जैसे पैलियो डाइट प्लान। इसके अंतर्गत आहार में टमाटर, प्याज, लहसुन और गाजर को शामिल किया जाता है। इसके अलावा फलों, नट्स, मछली, फलियां, अनाज और डेयरी उत्पादों को भी शामिल किया जाता है।

डाइटिंग के नाम पर अपनी भूख मारना या कम से कम खाना अपने शरीर के साथ अत्याचार करने जैसा है। अनेक ऐसे लोग हैं जिनके दिमाग में यह गलत धारणा बैठ चुकी है कि मोटापे को कम करने के लिए डाइटिंग एक सशक्त माध्यम है, जबकि सच्चाई इसके विपरीत है। याद रखें, डाइटिंग से मोटापा कम नहीं होता।

## मोटापा और दवाएं

इस संदर्भ में महत्वपूर्ण बात यह है कि मोटापा कम करने वाली दवाओं का सेवन अपने डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लिए बगैर नहीं करना चाहिए। मॉर्बिड ओबेसिटी को नियंत्रण करने में दवाओं का एक सीमित योगदान है।

वजन घटाने की दवाएं विशेष रूप से उन लोगों के लिए होती हैं, जो आहार और व्यायाम के साथ भी वजन कम करने में सफल नहीं हो पाते। ये दवाइयां डॉक्टर की निगरानी में ली जाती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि ऐसी दवाओं के साइड और आफ्टर इफेक्ट भी होते हैं। इन दवाओं का उद्देश्य शरीर में वसा को जलाना या बर्न करना, भूख को कम करना और शरीर के ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना होता है। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

## इन बातों पर दें ध्यान

**वजन नियंत्रण** के लिए आपको अपनी जीवनशैली में लगातार सकारात्मक परिवर्तन करने होंगे। जैसे अपनी उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार नियमित रूप से व्यायाम करना, खान-पान में मौसमी फलों और हरी सब्जियों को वरीयता देना आदि। इसके अलावा इन सुझावों पर भी अमल करना लाभप्रद रहेगा।

- डॉक्टर या डायटिशियन से परामर्श लेकर अपनी शारीरिक स्थिति और मेडिकल कंडीशन के अनुसार खान-पान का एक चार्ट बनवा लें और फिर उस पर अमल करें।

- नियमित रूप से व्यायाम करें, लेकिन इस संदर्भ में याद रखें कि प्रत्येक व्यक्ति की उम्र और उसकी मेडिकल कंडीशन के अनुसार ही व्यायाम और उसका समय निर्धारित किया जाता है। इसलिए इस संदर्भ में फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श लें।
- जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखें और तनाव को स्वयं पर हावी न होने दें। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से भी मोटापा या वजन बढ़ सकता है। तनाव से शरीर में हार्मोन संबंधी असंतुलन उत्पन्न होता है, जिसके कारण कालांतर में मोटापा बढ़ सकता है। तनाव को नियंत्रित करने के लिए मेडिटेशन करें।
- अत्यधिक चिकनाईयुक्त खाद्य पदार्थों से परहेज करें।
- खाद्य पदार्थों में ऊपर से नमक न छिड़कें। नमक का कम से कम सेवन करना लाभप्रद है।
- खाना खाते समय टीवी न देखें।

---

घरेलू औषधि

# बहुत लाभकारी है जैतून नमक

आमतौर पर लोग साधारण नमक, काला नमक और सेंधा नमक के बारे में तो जानते हैं। लेकिन एक अन्य लाभकारी नमक जैतून नमक के बारे में कम ही लोग जानते हैं। यह एक विशेष नमक है, जो कई रोगों के उपचार में कारगर है।

**क्या होता है जैतून नमकः** इस नमक को बनाने के लिए साधारण नमक को जैतून के साथ मिलाकर एक निश्चित विधि से तैयार किया जाता है। इसके लिए पूरे पके हुए जैतून को मोटे नमक (डली वाला साधारण नमक) के साथ मिलाकर ढंक कर लगभग दो महीने के लिए रख दिया जाता है। निर्धारित समय के बाद उस नमक में विशेष गुणों का समावेश प्राकृतिक रूप से होता है। जिससे एक औषधि बन जाती है, जो कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों में लाभकारी होता है। इसमें मिलने वाले प्रमुख तत्व हैं- विटामिन ई, लोहा, तांबा और कैल्शियम आदि। जैतून नमक की तासीर ठंडी होने के कारण सर्दियों में इसका सेवन कम करना चाहिए।

**इन रोगों में कारगरः** जैतून नमक को कई रोगों के उपचार में उपयोग किया जा सकता है।

- इसका प्रयोग शरीर के बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।
- पेट संबंधी अजीर्ण, गैस, अपच, भूख न लगना या कम लगना आदि समस्याओं में यह हितकर है।
- डायबिटीज (रक्तशर्करा) और उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) के उपचार में जैतून नमक का सेवन उपयोगी है।
- यह शारीरिक क्षमता में बढ़ोत्तरी करता है।
- हृदय को स्वस्थ रखने के लिए यह लाभकारी है।
- कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है।
- बढ़ते वजन से परेशान लोगों का वजन कम करने में मददगार है।
- यकृत (लिवर) को स्वस्थ बनाने में सहायक है।
- किडनी की समस्या में इसका सेवन लाभकारी है।
- बढ़ती आयु में हड्डियों को स्वस्थ रखने में इसका सेवन मददगार है।

कुछ लोगों को जैतून से एलर्जी होती है, उन्हें इसका सेवन नहीं करना चाहिए। इसकी कितनी मात्रा कैसे लेनी है, इसका निर्धारण स्वयं न करें, विशेषज्ञ से सलाह के आधार पर करें। यहां बताए गए उक्त सभी उपाय-उपचार सामान्य हैं। प्रयोग करने से पहले अपने वैद्यजी या आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह अवश्य करें। *

-वैद्य हरिकृष्ण पांडे 'हरीश'

---

मेडिकल रिसर्च

माहिया

कुछ समय पहले खबरें आईं कि रूस के वैज्ञानिकों ने कैंसर ट्रीटमेंट के लिए वैक्सीन बनाने में सफलता हासिल कर ली है। क्या है यह वैक्सीन, कैसे करेगी यह वर्क और इससे कितना प्रभावी होगा ट्रीटमेंट, आप जरूर जानना चाहेंगे।

# बना ली गई कैंसर वैक्सीन कितना प्रभावी होगा इलाज

हाल में रूस ने घोषणा की है कि उनके वैज्ञानिकों ने कैंसर की रोकथाम के लिए एक नई एमआरएनए-आधारित वैक्सीन विकसित की है, जो जल्द ही रोगियों को मुफ्त उपलब्ध कराई जाएगी। गमालेया नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एपिडेमोलोजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के निदेशक एलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग का कहना है कि इस वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल्स से मालूम हुआ है कि यह रसौली को बढ़ने से रोकती है और उसके आशंकित रूप-परिवर्तन को भी। एमआरएनए या मैसेंजर आरएनए वैक्सीन, वह जेनेटिक सूचना उपलब्ध कराती है, जो शरीर की कोशिकाओं को एंटीजन (प्रोटीन या अन्य पदार्थ जो इम्यून या प्रतिरोधात्मक प्रतिक्रिया आरंभ करते हैं) के विरुद्ध इम्यून सिस्टम को एंटीबॉडीज उत्पादन के लिए प्रेरित करता है। जब ये एंटीजन, कैंसर कोशिकाओं पर पहचान लिए जाते हैं तो इम्यून सिस्टम उनके खिलाफ हमला शुरू कर देता है।

**ऐसे करेगी एक्शनः** एमआरएनए कैंसर वैक्सीन, इम्युनोथेरेपी का एक रूप है। कैंसर कोशिकाएं अकसर ऐसा तरीका विकसित कर लेती हैं कि वो एंटीबॉडीज द्वारा पहचान में आने से बच जाएं। फलस्वरूप इम्यून सिस्टम (शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता) उन्हें नष्ट नहीं कर पाता। इस बचाव के तरीके को अब समझ लिया गया है। अब प्लानिंग यह है वैक्सीन के जरिए शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता को इस प्रकार मजबूत कर दिया जाए कि वह कैंसर कोशिकाओं को तलाश करके उन्हें नष्ट कर दे और उनको फैलने से रोके। इस उपचार का लाभ यह है कि कीमोथेरेपी के विपरीत इसमें अन्य कोशिकाओं के बजाय केवल कैंसर कोशिकाओं को ही नष्ट किया जाता है, नतीजतन ट्रीटमेंट के साइड-इफेक्ट्स कम हो जाते हैं। वैक्सीन के अतिरिक्त भी इम्युनोथेरेपी के अन्य अनेक तरीके हैं। जैसे कार टी सेल थेरेपी, इम्यून चेकपॉइंट इन्हिबिटर्स आदि।

**अन्य वैक्सीन से है अलगः** अन्य वैक्सीनों की तरह एमआरएनए कैंसर वैक्सीन, रोग को रोकने के लिए स्वस्थ व्यक्तियों के लिए नहीं है कि टीकाकरण करा लिया और रोग होगा ही नहीं। इन्हें उन रोगियों पर इस्तेमाल किया जाता है, जिन्हें पहले से ही कैंसर है ताकि रसौली को निशाना बनाकर उसका उपचार किया जा सके। यह उपचार विधि इस तरह से तैयार की गई है कि हर रोगी की रसौली में जो विशिष्ट एंटीजन होते हैं, उन्हें निशाना बनाया जाए, जिससे यह वैक्सीन व्यक्तिगत हो जाती है और अधिक प्रभावी भी। कैंसर एमआरएनए वैक्सीन को इस तरह से भी डिजाइन किया जा सकता है कि अनेक प्रकार के एंटीजन को निशाना बनाया जा सके।

**कैंसर का करेगा ट्रीटमेंटः** कई डॉक्टरों का कहना है कि कैंसर की रोकथाम के लिए 'वैक्सीन' शब्द का प्रयोग करना भ्रामक है, क्योंकि संक्रमित रोगों की तरह कैंसर आमतौर से किसी एक कीटाणु से नहीं फैलता है। जहां तक कैंसर के रोकथाम की बात है तो ह्यूमन पपील्लोमावायरस (एचपीवी) वैक्सीन से सर्वाइकल कैंसर को होने से रोका जा सकता है, क्योंकि इस सिलसिले में 90 प्रतिशत से अधिक केस इस वायरस के कारण होते हैं। लेकिन डॉक्टर्स इस बात पर बल देते हैं, 'रोगियों को यह समझना चाहिए कि इम्युनोथेरेपी उपचार से कैंसर को होने से नहीं रोका जा सकता। यह रोग होने के बाद का इलाज है।' *

---

डॉक्टर सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

# जब नींद के लिए लेनी पड़े दवा

**मेरी उम्र 66 वर्ष है। मुझे अकसर रात को नींद नहीं आती। पिछले कुछ समय से मैं नींद की गोलियां ले रहा हूं। इससे रात को नींद तो अच्छी आती है, लेकिन पूरे दिन सुस्ती बनी रहती है। समझ नहीं आता, क्या करूं? कृपया उचित मार्गदर्शन करें।**

**-वीरपाल, महेंद्रगढ़**

नींद की दवा खाकर सोना, यह अच्छी बात नहीं है। सबसे पहले आप कोशिश करें कि नींद की दवा लेना बंद करें और इसके बगैर कैसे नींद आए, इसका रास्ता खोजें। इसके लिए सबसे जरूरी है कि नींद न आने की वजह ढूंढने की, यानी किस वजह से नींद नहीं आती है? यह समस्या आपको कब से है यानी इस बीच में ऐसा क्या हुआ है, जो बात बार-बार आपके मन में आती है, जिससे नींद नहीं आ रही हो। अगर आप स्वयं से ऐसा न कर पाएं तो जरूर आपको एक बार मनोरोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए, लेकिन नींद की दवा आपको लेना बिल्कुल बंद कर देना चाहिए।

**मेरी उम्र 38 वर्ष है। जब भी मैं कुछ दूर पैदल चलता हूं, मेरे पैरों में सूजन आ जाती है। रेस्ट करने पर यह सूजन अपने-आप ही ठीक हो जाती है। ऐसा क्यों होता है? मुझे क्या करना चाहिए?**

**-अभिनव, दुर्ग**

पैरों में सूजन दो कारणों से होती है, पहले मसल्स का वीक होना और दूसरा

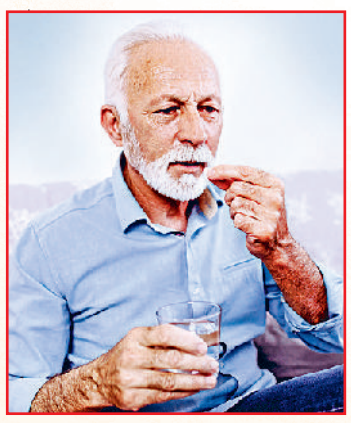

डायबिटीज। आप पहले जनरल फिजिशियन से संपर्क करें, वो आपकी शुगर और कुछ अन्य जांच कराएंगे, जिससे पता चलेगा कि आपको किस वजह से सूजन आ रही है? इसके बाद उसका उपचार होगा। फिलहाल, बगैर डॉक्टर से कंसल्ट किए कोई भी दवा आप ना खाएं। ज्यादा दिक्कत होने पर आप सिंकाई कर सकते हैं।

**मेरी उम्र 28 वर्ष है। मेरे फेस पर बहुत अधिक झाइयां हो रही हैं। कई तरह की क्रीम और दवाइयां लेने के बाद भी यह ठीक नहीं हो रही। मेरी इस प्रॉब्लम का कोई इफेक्टिव सॉल्यूशन बताएं।**

**-सुकेश, रायपुर**

अभी आप की उम्र अधिक नहीं है इसलिए आपको दवा खाने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। दवा के अधिक सेवन से आपको अभी भले ही आराम मिल जाए, लेकिन आगे और परेशानी बढ़ सकती है। सबसे पहले आप अपनी तरफ से इस्तेमाल की जाने वाली दवाइयां बंद करें और एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें। वो इसका कारण बताएंगे और उसका ट्रीटमेंट भी। लेकिन आप अभी पानी अधिक से अधिक पिएं। शरीर में पानी की कमी न होने दें। कई बार यह भी त्वचा रोग का कारण बन जाता है।

**मेरी उम्र 46 वर्ष है। तीन हफ्ते पहले बाथरूम में पैर स्लिप करने की वजह से मेरी कमर में चोट आई थी। अभी भी कमर में चोट वाली जगह पर रह-रहकर दर्द होता रहता है। ऐसे में क्या करूं, जिससे मुझे कमर दर्द से राहत मिले?**

**-अर्णव, बिलासपुर**

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको स्पाइन में चोट लगी है, जिसमें किसी तरह की फ्रेक्चर नहीं हुआ होगा। इस तरह की चोट में थोड़ा लंबे समय तक दर्द रहता है। कोशिश करें कि आप झुकने वाले काम बिल्कुल न करें, वजन न उठाएं। सोने के लिए हार्ड बेड का इस्तेमाल करें। अगर अधिक दर्द हो रहा है तो जरूर आपको एक बार हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए, क्योंकि दर्द हो रहा है इसलिए किसी तरह की एक्सरसाइज भी न करें।

**मेरी उम्र 61 वर्ष है। अकसर खड़े होने पर मेरे पैरों में थरथराहट शुरू हो जाती है, जिसकी वजह से चलते वक्त लड़खड़ाने लगता हूं। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।**

**-कौशल किशोर, भोपाल**

इस बात पर ध्यान दें कि आपका वजन अधिक तो नहीं है? कई बार वजन अधिक होने पर इस तरह की समस्याएं बढ़ती उम्र में देखी जाती हैं। लेकिन एक बार आप मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ संपर्क से कर लें, क्योंकि इस तरह की समस्याएं न्यूरो से जुड़ी भी हो सकती हैं। ऐसे में बगैर जांच किए कुछ भी कहना मुश्किल है। लेकिन आप जैसा बता रहे हैं, तो ज्यादा चलने की कोशिश न करें। गिर सकते हैं और चोट लग सकती है। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

## खबर संक्षेप

### महिला के कान से बाली छीनकर भागा युवक

**फतेहाबाद।** टोहाना में महिलाओं के साथ छीना झपटी की घटनाएं लगातार जारी है। गत दिवस भी एक युवक महिला के कान से सोने की बाली छीनकर फरार हो गया। इस बारे टोहाना पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में सपड़ा मोहल्ला टोहाना निवासी सुभाष कुमार ने कहा है कि उसकी माता चंचल देवी शाम को घर जा रही थी। जैसे ही वह सैंट मैरी स्कूल के पास पहुंची तो एक अज्ञात युवक वहां आया और उसकी माता के कान की बाली छीनकर मौके से फरार हो गया।

### विभिन्न स्थानों से चार बाइक व गाड़ी चोरी

**सिरसा।** जिला में अलग-अलग स्थानों से चोर 4 मोटरसाइकिल व एक गाड़ी चोरी कर ले गए। पहले मामले में एडीसी कॉलोनी निवासी रतन सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने मोटरसाइकिल गली में घर के बाहर खड़ा किया था। कुछ देर बाद संभाला तो मोटरसाइकिल गायब मिला। दूसरे मामले में श्याम कॉलोनी रानियां निवासी सुखवंत सिंह ने बताया कि उसने अपनी गाड़ी बीती 24 फरवरी की रात को घर के साथ लगते प्लॉट में खड़ी की थी। सुबह गाड़ी संभाली तो गायब मिली।

### गांव कुसुंबी से पंचायती झोटा चोरी

**सिरसा।** जिला के गांव कुसुंबी से एक पंचायती झोटा चोरी हो गया। पुलिस को दी शिकायत में सरपंच वेदप्रकाश कुसुंबी ने बताया कि कुछ समय पूर्व पंचायत की ओर से एक झोटा गांव में लाया गया था। करीब 10 दिन पूर्व उक्त पंचायती झोटा कोई चोरी कर ले गया। अपने स्तर पर वे उसकी तलाश करते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

### 3 लाख रुपए की नगदी चोरी की वारदात सुलझी

**रानियां।** पुलिस ने एक दुकान से हुई 3 लाख रुपए की नगदी चोरी की वारदात को सुलझाते हुए एक युवक को काबू कर लिया। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए रानियां थाना प्रभारी ने दिनेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान सतपाल सिंह उर्फ बिट्टू पुत्र हरवंश सिंह निवासी भडोल्यांवाली जिला सिरसा के रुप में हुई है। रानियां थाना प्रभारी ने बताया कि नितिन कुमार पुत्र कैलाश नाथ निवासी वार्ड नंबर 4 रानियां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जीवन नगर रोड़ रानियां क्षेत्र में उसकी खल फीड एंव पशु आहार की दुकान है, बीती 4 फरवरी को थोड़ी देर के लिए दुकान के पिछे गया था।

### रेलवे पार्क में मनाया जाएगा होली महोत्सव

**सिरसा।** महात्मा बुद्ध योग संस्था की एक बैठक नरेंद्र योगी की अध्यक्षता में हुई जिसमेंकाफी संख्या में संस्था के सदस्यों ने भाग लिया। इस बैठक में फैसला हुआ की इस बार होली महोत्सव को बड़ी धूमधाम से मनाने के लिए शहर के संगीत कलाकारों को भी आमंत्रित किया जाएगा, जो अपने गीतों के द्वारा लोगों का मनोरंजन करेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार आगामी 9 मार्च को होली महोत्सव रेलवे पार्क में मनाया जाएगा, जिसमें बाहर से आए कलाकारों द्वारा झांकी और फूलों की होली खेली जाएगी।

### ट्रक से बैटरी चुराने के दूसरे आरोपी गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने रतिया रोड पर खड़े एक ट्रक से बैटरी चुराने के मामले में कार्यवाही करते हुए दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए युवक की पहचान रामफल पुत्र मिट्ठू राम निवासी अयाल्की के रूप में हुई है। इस मामले में एक आरोपी सुरेश कुमार पुत्र मिटठू राम निवासी अयाल्की को पहले ही गिरफ्तार कर पुलिस बैटरी को बरामद कर चुकी है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी एसआई औमप्रकाश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 14 फरवरी को अजय सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

## कहा : विस चुनाव हारने का बड़ा कारण गुटबाजी

# कांग्रेस पार्टी के पास प्रदेश में संगठन का अभाव : सैलजा

- सांसद कुमारी सैलजा ने प्रैस क्लब में पत्रकारों से की बातचीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

**फतेहाबाद।** पत्रकारों से बातचीत करते सांसद कुमारी सैलजा।

सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जनता कांग्रेस को जीताना चाहती थी लेकिन कांग्रेस हारी, जिसकी वजह पार्टी में संगठन की कमी व आपसी गुटबाजी मुख्य कारण रही। भविष्य में पार्टी द्वारा इन सभी कमियों को दूर किया जाएगा, तभी आगे बात बनेगी। कमियां कहां थी और कौन जिम्मेदार है, यह पार्टी देख रही है। सांसद कुमारी सैलजा प्रैस क्लब में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। इस दौरान उनके साथ विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया, टोहाना विधायक स. परमवीर सिंह सहित अनेक कांग्रेस नेता मौजूद रहे। क्लब अध्यक्ष विजय मेहता ने सांसद कुमारी सैलजा को वहीं सुरेन्द्र असीजा ने विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया का स्वागत किया।

कुमारी सैलजा ने कहा कि सिरसा लोकसभा क्षेत्र से जनता ने उन्हें फिर से मौका दिया, क्योंकि उनका लोगों से संपर्क हमेशा बना रहा, लोगों ने उन्हें याद किया तो वे जीत भी गई। अब उनका प्रयास है कि इलाके के लिए काम करूं। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में पार्टी को जो उम्मीदें थी, वो पूरी नहीं हुई। जनता चाहती थी कि कांग्रेस की सरकार बने, लग भी रहा था, लेकिन भाजपा सरकार बनाने में कामयाब रही। इसमें भाजपा ने भी जनता को मुद्दों से भटकाने का काम किया, लेकिन कांग्रेस पार्टी की अपनी भी कमियां रही, जिन्हें दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हार-जीत पैमाना नहीं होते, बल्कि जनता की आवाज पैमाना होती है और जनता की आवाज कांग्रेस के साथ थी। सैलजा ने कहा कि वह यहां पर पार्टी के अंदरूनी मामलों पर कुछ नहीं कहेंगी, लेकिन पार्टी को हारना तो नहीं चाहिए था। पार्टी के पास संगठन का भी अभाव है, इसको नकारा नहीं जा सकता। रेलवे लाइन के मामले पर उन्होंने कहा कि वे शुरू से ही फतेहाबाद में रेल लाइन लाने को लेकर आवाज उठाती रही हैं, उन्हें खुशी है कि इस बजट में इसको लेकर प्रावधान हुआ है, उम्मीद है कि इस पर जल्द काम भी शुरू होगा। घग्घर के मुद्दे पर कुमारी सैलजा ने कहा कि हाल ही में दिल्ली के चुनाव में यमुना का प्रदूषण मुद्दा बना था। हरियाणा सरकार को देखना होगा कि उत्तरी हरियाणा से यहां तक बहने वाली नदी नाला बन चुकी है।

#### नशा रुका तो अपराध भी रुकेगा : सांसद

नशे के मामले पर उन्होंने कहा कि नशे पर लगाम लगनी चाहिए, इसके लिए वे भी शुरूआत से आवाज उठाती आई हैं। प्रशासन को चाहिए कि छोटी मछली नहीं बल्कि बड़ी मछलियों को पकड़े और सरकार भी इस पर साफ साफ आदेश जारी करे। नशा रुका तो अपराध भी रुक जाएगा।

#### ये रहे मौजूद

*इस अवसर पर कांग्रेस नेता जयपाल लाली, भीमसेन नारंग, सीता राम बेनीवाल, मंगत राम लालवास, सुधीर गोदारा, गुलाब सूंडा, शम्मी रत्ती, मुख्यतार सिंह सदर, सुशील बिश्नोई एडवोकेट सहित अनेक कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।*

# कला स्पंदन-2025 में विद्यार्थियों ने दिखाया कौशल

- राजकीय नेशनल महाविद्यालय सिरसा में दो दिवसीय सांस्कृतिक समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

**सिरसा।** प्राचार्य प्रो. हरजिंद्र सिंह उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए।

राजकीय नेशनल महाविद्यालय सिरसा में दो दिवसीय सांस्कृतिक समारोह कला स्पंदन-2025 का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अपने कौशल का परिचय दिया। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. हरविंद्र सिंह ने बताया कि सांस्कृतिक समिति प्रभारी डॉ. स्मृति कंबोज के संयोजन में आयोजित इस सांस्कृतिक समारोह में रियाज संगीत अकादमी सिरसा के संचालक राज वर्मा ने बतौर मुख्यातिथि व जीएनसी सिरसा के हिंदी विभाग से सेवानिवृत्त डॉ. निशा गोयल ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। सांस्कृतिक समिति प्रभारी डॉ. स्मृति कंबोज द्वारा इस समारोह की रूपरेखा से अवगत करवाए जाने के उपरांत विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के दौरान जीएनसी सिरसा के संगीत विभाग से सेवानिवृत्त डॉ. रंजना गंडा, जीसीडब्ल्यू सिरसा के संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. यादविंद्र सिंह, डॉ. इंदिरा जाखड़, डॉ. साक्षी मेहता व डॉ. मंजू मेहता ने निर्णायकमंडल की भूमिका का निर्वहन किया। इस अवसर पर आयोजित भजन/शब्द प्रतियोगिता में प्रतिष्ठा, लक्ष्यप्रताप सिंह व निपुण एवं गगनदीप, हरियाणवी लोक गायन में राकेश, संजिका, सामान्य गायन में प्रतिष्ठा, पलक व अरमान सिंह, वेस्टर्न सोंग में पलक व राजवीर कौर, सामान्य नृत्य में नेहा, अजय व मनजिंद्र सिंह, हरियाणवी नृत्य में उदयपाल, रितु व प्रकाश ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान अर्जित किया। समूह नृत्य प्रतियोगिता में अजय, हेमंत, मनन व सिमरन की टीम प्रथम; उदयपाल व खुशबू की टीम द्वितीय व अभिजीत, नेहा व बिंदिया की टीम तृतीय स्थान पर रही। म्यूजिक बैंड में बबिल, राकेश एवं गगनदीप प्रथम व निपुण, राजवीर कौर, जतिन एवं अर्शदीप द्वितीय स्थान पर रहे। एड-मेड शो में प्रकाश, उदयपाल, सिमरन, किरण, खुशबू एवं राजेंद्र प्रथम रहे।

### हेरोइन सहित बाइक सवार दो युवक काबू

सिरसा। एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस ने गश्त के दौरान रानियां थाना क्षेत्र में स्थित ढाणी सतनाम सिंह से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को हजारों रुपए की 8 ग्राम 16 मिलीग्राम हेरोइन के साथ काबू किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस टीम के प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान गुरमेल सिंह पुत्र जीत सिंह व रमेश उर्फ जसा पुत्र प्रीतम सिंह निवासी ढाणी सतनाम सिंह जिला सिरसा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा की एक पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान रानियां क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी को सामने से मोटरसाइकिल सवार दो युवक आते दिखाई दिए।

# पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

**सिरसा।** वक्ताओं को सम्मानित करते हुए आयोजक।

पन्नीवाला मोटा स्थित चौधरी देवीलाल राज्य अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान पन्नीवाला मोटा ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईसीटी अकादमी, सी-डैक मोहाली के सहयोग से एलओटी, एआई और इसके अनुप्रयोग विषय पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का सफल आयोजन किया। फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित था। इस अवसर पर मुख्यातिथि डॉ. एमपी पूनिया, कैंपस निदेशक, बीएफजीआई, बठिंडा, एवं पूर्व उपाध्यक्ष एआईसीटीई, नई दिल्ली और डॉ. बलविंदर सिंह, संयुक्त निदेशक सी.डैक मोहाली मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन संस्थान की निदेशक-प्राचार्या डॉ. मीना कुमारी और सह-संयोजक माणिक गोयल, सिविल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष द्वारा किया गया।

# दुकान में घुसे सांडों ने मचाया उत्पात, दुकानदार चोटिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

शहर में बरनाला रोड पर बुधवार को सांडों की लड़ाई दुकानदार को महंगी पड़ गई। सांडों ने दुकान में घुसकर उत्पात मचाया और गेट का शीशा तोड़ डाला। वहीं, दुकानदार को भी चोटिल कर डाला। दुकानदार के सिर व हाथों पर चोटें लगी हैं। एक एक्टिवा भी तोड़ डाली। करीब आधे घंटे तक सांडों में लड़ाई होती रही। बाद में बड़ी मुश्किल से लोगों ने सांडों को वहां से भगाया। गर्ग जनरल स्टोर के संचालक मनोज कुमार ने बताया कि सडक़ पर पांच-छह सांड आपस में लड़ रहे थे। दुकानदारों ने उन्हें शांत करने के लिए पहले पानी डाला, फिर ईंटों से भी उन्हें भगाने का प्रयास किया। मगर दो सांड लड़ते-लड़ते उसकी दुकान में घुस गए। इससे दुकान के मेन गेट का शीशा टूट गया। उसके पिता को भी काफी चोटें आई हैं। गनीमत रही कि जान का नुकसान नहीं हुआ। इस घटना के बाद दुकानदारों ने नगर परिषद प्रशासन के प्रति रोष जाहिर किया। उन्होंने कहा कि खुले में घूम रहे सांड आए दिन लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। इन पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन को सख्ती से काम करना चाहिए। दुकानदारों ने मांग की कि नगर परिषद प्रशासन ऐसे सांडों को तो जरूर पकड़े।

# हेलीकॉप्टर पर राजस्थान से दुल्हन लेकर आया दूल्हा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

**सिरसा।** हेलीकॉप्टर पर राजस्थान से दुल्हन लेकर आए दूल्हा का स्वागत करते हुए परिजन।

गांव कागदाना में दूल्हा अपनी दुल्हन को हेलीकॉप्टर में लेकर पहुंचा तो देखने के लिए कागदाना व आसपास के गांवों के ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा। कागदाना के बाग राम रुहिल के पोते की यह शादी क्षेत्र मे चर्चा का विषय बनी हुई है। एक तो यहां डॉ. दूल्हा अपनी डॉ. दुल्हन को हेलीकॉप्टर में राजस्थान से विदा कराकर घर लाया। इसके साथ-साथ यह शादी चर्चा का विषय इसलिए भी बनी रही कि शादी भी बिना दहेज के एक रुपया व एक नारियल लेकर परंपरागत रस्म अदा की। गांव कागदाना निवासी डॉ. जगदीश चौधरी के बेटे डॉ. हिमांशु की शादी राजस्थान के सीकर जिले के गांव नवलगढ़ निवासी डॉ. श्रवण गोदारा की बेटी डॉ. दीक्षा गोदारा के साथ मंगलवार 25 फरवरी को हुई। जिनको आशीर्वाद देने के लिए चोपटा क्षेत्र से कृष्ण कुमार, भगत सिंह, सूबे सिंह रुहिल, सुभाष, रजबीर मंडा, डॉ. मोहित, रूपीन, सोहन लाल, विजय सिंह नाथूसरी कलां के समाजसेवी रधुवीर सहित अन्य मौजूद रहे।

**सिरसा।** गुमशुदा मोबाइल फोन लौटाते एसपी।

### लाखों रुपये के गुम हुए फोन मालिकों को लौटाए

**डबवाली।** साइबर सुरक्षा शाखा ने मोबाइल गुम होने की शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए जनवरी माह में 10 शिकायतों का निपटारा कर गुम हुए 10 मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन ने अपने कार्यालय में गुमशुदा मोबाइल फोन के असल मालिकों को बुलाकर उन्हें मोबाइल फोन सौंपे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिला डबवाली की साइबर सुरक्षा शाखा में मोबाइल गुम होने की शिकायत आती रहती हैं। जांच करते हुए साइबर सुरक्षा शाखा प्रभारी सहायक सब इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिंह व उनकी टीम ने जनवरी माह में 10 मोबाइल फोन की बरामदगी की है और उनके असल मालिक को मोबाइल सौंपे गए। जिनमें गुरदास सिंह, वरुण, अशोक सेठी, राकेश, सोनु कुमार, विवेक व बलवीर अपना फोन पाकर खुश हुए और पुलिस का आभार जताया।

# एनएचएम सीएचओ ने लाभ फ्रीज किए जाने पर जताया रोष

- फतेहाबाद में एनएचएम सीएचओ ने सीएमओ को एमडी के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

**फतेहाबाद।** अधिकारी को एमडी एनएचएम के नाम ज्ञापन सौंपते सीएचओ।

नेशनल हैल्थ मिशन के सर्विस बाय लॉज 2018 के लाभ फ्रीज किए जाने से एनएचएम कर्मचारियों में काफी रोष है। एनएचएम तहत कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल इस मुद्दे को लेकर सिविल सर्जन डॉ. महेन्द्र भादू से मिला। फतेहाबाद में कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने अपने अधिकारों को लेकर सिविल सर्जन फतेहाबाद को एमडी, एनएचएम के नाम ज्ञापन सौंपा। ऑल इंडिया सीएचओ एसोसिएशन जिला इकाई फतेहाबाद के संरक्षक डॉ. राजेन्द्र जांगड़ा व प्रधान प्रदीप कुमार ने बताया कि मिशन निदेश, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन पंचकूला द्वारा 17 जनवरी को जारी पत्र के अनुसार एनएचएम के सर्विस बाय लॉज 2018 के लाभ 27 जून 2024 के बाद फ्रीज कर दिए गए हैं। इस निर्णय के बाद जिले में कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों यानि सीएचओ में अपने वित्तीय नुकसान का डर बना हुआ है।

### पात्र करदाता 31 तक ले सकते हैं जीएसटी एमनेस्टी योजना का लाभ

**फतेहाबाद।** केंद्र सरकार द्वारा घोषित जीएसटी एमनेस्टी योजना 2024 के तहत पात्र करदाताओं को बकाया कर पर ब्याज व जुर्माना में छूट दी जाएगी जिसमें उनकी कुल देयता में कमी आएगी और उन्हें मात्र बकाया कर का ही भुगतान करके ब्याज व जुर्माने की माफी के लिए जीएसटी पोर्टल पर आवेदन करना होगा। इस योजना का लाभ उठाने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2025 होगी। उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त (बिक्री कर) आनंद सिंह ने बताया कि इस योजना को हरियाणा सरकार द्वारा भी अधिसूचित किया जा चुका है। योजना के संबंध में पात्रता की जानकारी देते हुए आनंद सिंह बताया कि यह योजना उन करदाताओं के लिए लागू होगी जिन पर वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए हरियाणा जीएसटी अधिनियम 2017 की धारा 73 के तहत बकाया कर देनदारी है।

# डॉ. शील को मिला गद्यश्री अलंकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

**सिरसा।** डॉ. शील कौशिक को गद्यश्री अलंकरण से सम्मानित करते हुए आयोजक।

उत्तर प्रदेश की प्रमुख प्रज्ञा हिंदी सेवार्थ संस्थान, फिरोजाबाद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रज्ञा सम्मान-2024 प्रतियोगिता में डॉ. शील कौशिक की कृति समीक्षा के दायरे में महिला हिंदी लघुकथा लेखन के लिए श्री अरविंद तिवारी गद्यश्री अलंकरण-2024 प्राप्त हुआ। सम्मान में प्रशस्तिपत्र, स्मृति चिह्न, शॉल, माला, धनराशि, श्रीफल एवं अन्य उपहार प्राप्त हुए। इस अवसर पर अध्यक्ष पदमश्री प्रो. उषा यादव, प्रो. सुरेंद्र दुबे तथा सुप्रसिद्ध प्रवासी साहित्यकार डा. तेजेंद्र शर्मा मौजूद थे। ज्ञातव्य हो कि डॉ. शील कौशिक सिरसा की हरियाणा साहित्य अकादमी से पुरस्कृत व सम्मानित वरिष्ठ साहित्यकार तथा प्रमुख समालोचक हैं। इनकी विविध विधाओं में 64 पुस्तक प्रकाशित हुई हैं। इनके लेखन पर विभिन्न विश्वविद्यालय से शोधार्थियों द्वारा पांच पीएचडी तथा छह एमफिल संपन्न हो चुकी हैं। सुप्रसिद्ध विद्वान लेखकों ने उनके कृतित्व पर पांच पुस्तकें भी लिखी हैं। उनकी पांच पुस्तकों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। हरियाणा साहित्य अकादमी के अलावा वे देश, विदेश कीअनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुकी है। चिल्ड्रन बुक ट्रस्ट द्वारा इनकी बाल कहानियां पुरस्कृत हो चुकी हैं तथा इनकी अनेक रचनाएं पाठ्यक्रम में भी सम्मिलित हैं। सिरसा के वरिष्ठ साहित्यकारों प्रो. रूप देवगुण, डॉ. राजकुमार निजात, डॉ. ज्ञान प्रकाश पीयूष, हरीश सेठी झिलमिल आदि ने बधाई के साथ-साथ उनकी इस उपलब्धि को सिरसा के लिए महत्वपूर्ण बताया।

## कार्यक्रम | जिंदल टावर ज्ञान केंद्र का दौरा किया व विभिन्न चीजों की जानकारी प्राप्त की

# पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण

बड़ी स्क्रीन पर वीडियो के माध्यम से कृषि विश्वविद्यालय के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

**फतेहाबाद।** शैक्षणिक भ्रमण में शामिल पीएम श्री स्कूल जेएनवी, खारा खेड़ी के विद्यार्थी व स्टाफ। *फोटो : हरिभूमि*

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, खारा खेड़ी के कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं ने हिसार का शैक्षणिक भ्रमण किया। प्राचार्य अनूप सिंह ने शैक्षणिक भ्रमण पर जाने वाले विद्यार्थियों के दल को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के मुख्य द्वार से बस को रवाना किया। विद्यार्थियों के दल ने हिसार में पहुंचकर जिंदल टावर ज्ञान केंद्र का दौरा किया और विभिन्न चीजों की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद विद्यार्थियों ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में स्थित डॉ. मंगल सेन एग्रीकल्चर साइंस म्यूजियम का दौरा किया। संग्रहालय में हरियाणवी संस्कृति से जुड़ी चीजों एवं पुरानी चीजों को प्रदर्शित किया गया था जिनको बच्चों ने देखा व उनके बारे में जाना। संग्रहालय में पुराने जमाने में घरों में प्रयोग किए जाने वाले विभिन्न तरह के बर्तन कपड़े आदि प्रदर्शित किए गए थे। इसके अलावा स्टाफ व विद्यार्थियों द्वारा एक बड़ी स्क्रीन पर वीडियो के माध्यम से कृषि विश्वविद्यालय के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों ने विभिन्न प्रकार की खाद, मिट्टी, खेत में प्रयोग की जाने वाली दवाइयां के बारे में भी विस्तार से जानकारी ली। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के दल ने हिसार में स्थित ऐतिहासिक स्थल का भ्रमण किया। गुजरी महल के इतिहास के बारे में बच्चों ने जाना तथा फिरोज शाह द्वारा बनाए गए किले का भी भ्रमण बच्चों के द्वारा किया गया। परिसर में लाट की मस्जिद व अशोक स्तंभ को भी देखा। हिसार से वापस आते समय शाम को अग्रोहा गांव में स्थित ऐतिहासिक स्थलों को देखते हुए विद्यालय में पहुंचे।

# डबवाली के चार वार्ड नशामुक्त घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

पुलिस का दावा है कि शहर डबवाली के वार्ड नंबर 8, 9,10 और 11 नशा मुक्त गांवों व वार्डों की सूची में अपना नाम दर्ज करवाने में कामयाब हो गए हैं। इसके साथ ही डबवाली जिला के 61 गांव व 14 वार्ड नशा मुक्त घोषित किए जा चुके हैं। अब वे दिन दूर नहीं जब डबवाली का हर एक व्यक्ति एक स्वर में बोलेगा कि हमारा डबवाली जिला अब नशा मुक्त हो गया है, जिसके लिए पुलिस की भिन्न टीमें नशा तस्करी पर प्रहार करने व आमजन को नशे के दुष्परिणामों बारे जागरूक करने का काम पूरी मेहनत व लगन से कर रही है। इसी कड़ी में क्राइम यूनिट की टीमें लगातार दिन रात एक करके नशा तस्करों को जेल की सलाखों के पीछे भेजने का कार्य जोर शोर से कर रही है। पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन ने युवाओं व ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि शहर डबवाली के वार्ड नंबर 8,9,10 व 11 अब नशा मुक्त हो चुके हैं। यहां के युवाओं ने नशे को पूरी तरह से अलविदा कह कर गांव में किसी भी तरह का नशा न करने और न ही बेचने की शपथ ली है ।द नशा मुक्ति पर आयोजित इस कार्यक्रम में एसपी ने वार्ड नंबर 8,9,10 व 11 के एमसी को उनके वार्ड को नशा मुक्त बनाने में डबवाली पुलिस का सहयोग करने पर धन्यवाद दिया।

## जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया महाशिवरात्रि पर्व, अनेक कार्यक्रम आयोजित

# महाशिवरात्रि पर शिवालयों में गूंजे 'बम-बम भोले' के जयघोष, अलसुबह 4 बजे ही मंदिरों में लगी कतारें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिलेभर में बुधवार को महाशिवरात्रि का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। इस उपलक्ष्य में सुबह 4 बजे से ही मंदिरों और शिवालयों में भक्तों की कतारें लगी रही। लोगों ने शिवलिंग पर जल चढ़ाकर मन्नतें मांगी। शहर के श्री श्याम मंदिर, श्री दुर्गा मंदिर, श्री मनकामेश्वर मंदिर, श्री संन्यास आश्रम मंदिर, श्री राम सेवा समिति शिवालय व शहर के अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। अशोक नगर स्थित प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय में भी महाशिवरात्रि पर्व पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री श्याम मंदिर के पुजारी सोनू शर्मा ने कहा कि महाशिवरात्रि का यह पर्व मनोकामना पूरी करने वाला होता है। भोले बाबा सबकी मनोकामना पूरी करते है। आज के दिन पूरे विधि विधान से भगवान शिव की पूजा और व्रत करने वालों की मनोकामना पूर्ण होती है। फतेहाबाद के अलावा टोहाना में भी महाशिवरात्रि को लेकर मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। रतिया रोड स्थित श्रीपंचमुखी शिव मंदिर जोहड़वाला में शिवरात्रि पर्व को लेकर भक्तों में उत्साह देखने को मिला सुबह 5 बजे से ही भक्तों की भीड़ शिवालयों में देखने को मिली। शहर का सबसे प्राचीन मंदिर होने के चलते क्षेत्र के अनेक गांव व आस पास के एरिया से लोग जलाभिषेक करने के लिए आते है। भक्तों को कोई समस्या न आए, इसलिए मंदिर कमेटी द्वारा लाइन लगवाकर व्यवस्था बनाई गई साथ ही कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस कर्मी तैनात रहे। इससे पूर्व शिव संकीर्तन मंडल ट्रस्ट की ओर से 25 फरवरी को महाशिवरात्रि महोत्सव पर जागरण का आयोजन किया गया। मंदिर प्रधान राजेश बबलू व सचिव दयानंद सिंगला ने बताया कि जागरण में मुख्य अतिथि के तौर पर केबीडी ग्रुप मोहाली के एमडी रमेश कुमार गोयल शिरकत की जबकि वहीं संजय गर्ग लक्ष्मी पूजन, अधिवक्ता हितेश गर्ग हनुमान पूजन, विकास वर्मा गणेश पूजन व रविंद्र मेहता दुर्गा पूजन किया। जागरण में भजन सम्राट सोनू सिंगला, महेश कटारिया व अश्विनी बंसल बावा की महिमा का गुणगान किया जबकि दीपक आर्ट ग्रुप की ओर से भगवान भोलेनाथ की सुंदर-सुंदर झांकियां दिखाई गई। इसी प्रकार शहर के भाटिया नगर स्थित शिव मंदिर, दुर्गा मंदिर, काली माता मंदिर, अनाज मंडी बाला जी मंदिर, कैंची चौक बाला जी मंदिर सहित अनेक स्थलों पर शिवरात्रि पर्व मनाया गया।

- भगवान भोले नाथ को बेलपत्र, बेर, दूध चढ़ाकर मनोकामना पूरी होने की मन्नते मांगी

फतेहाबाद। मंदिर में शिवलिंग पर जल अर्पित करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

### शिवलिंग पर किया जलाभिषेक

रतिया। शिवरात्रि महोत्सव को लेकर बुधवार को मंदिरों में शिव भक्त श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शीतला माता मंदिर, प्राचीन हनुमान मंदिर, पुरानी गौशाला शिव मंदिर और अनाज मंडी शिव मंदिर सहित क्षेत्र के अन्य मंदिरों में शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के लिए छोटे-छोटे बच्चों बड़ों और बुजुर्गों ने शिवरात्रि पर्व के चलते शांतिपूर्वक लाइन में खड़े होकर शिव भोले बाबा के दर्शन करके शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। शीतला माता मंदिर में वरुण गर्ग, माधव गर्ग, शालू गर्ग व अन्य श्रद्धालुओं द्वारा मंदिर परिसर में जलाभिषेक किया। इस मौके पर श्रद्धालुओं को प्रवचन करते हुए पंडित सतीश शास्त्री ने कहा कि फाल्गुन मास की शिवरात्रि को महाशिवरात्रि कहा जाता है।

### पांच दिवसीय कथा आयोजित

सिरसा। मुल्तानी कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में भगवान शिव चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित पांच दिवसीय कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं को प्रवचन करते हुए पंडित गिरिशानंद शास्त्री ने भगवान शिव की सुंदर कथा का वर्णन किया। उन्होंने शिवलिंग उत्पत्ति की कथा रूद्राक्ष, भस्म और शिव पूजन की महिमा के विषय में बताया कि जीवन में जो भी हासिल होता है वह आपके प्रयत्न का परिणाम है। शिव की भक्ति बड़ी निराली है। भगवान शिव तो सिर्फ एक लोटा जल चढ़ाने से ही प्रसन्न हो जाते हैं। भगवान शिव की नित्य विधिवत पूजा करने से वह अति प्रसन्न होते हैं और जीवन में खुशहाली ही खुशहाली लाते हैं।

## सिरसा में जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया पर्व, ऊं नमः शिवाय से गूजे शिवालय

- श्रद्धालुओं ने किया भगवान शंकर का जलाभिषेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

जिलाभर में महाशिवरात्रि पर्व बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने शिवालयों में जलाभिषेक किया। वहीं शहर में जगह-जगह लंगर भंडारों का आयोजन किया गया। शिवभक्तों ने हरिद्वार से लाई गई कांवड से शिवभोले का जलाभिषेक किया। मुख्य आयोजन शिवपुरी स्थित भूतेश्वरनाथ मंदिर में किया गया। मंदिर परिसर में सुबह हवन यज्ञ किया गया। बाद में भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं की कतारे लगी हुई थी। वहीं कांवडियों ने हरिद्वार से लाए गंगाजल से शिव भोले का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। श्रद्धालुओं ने दूध, दही, घी, शहद, चीनी, मिष्ठाण, फल, भांग, धतूरा, बेलपत्र आदि के साथ पूजा अर्चना की। साथ ही शिवपुरी रोड पर मेला लगा था। जहां पर बच्चों और महिलाओं ने खरीददारी की तो युवा वर्ग भांग की पकौड़ी और कचौड़ी खरीदने के लिए उमड़ा हुआ था। श्री सरसांई नाथ डेरा, श्रीगौशाला स्थित प्राचान शिव मंदिर व सनातन धर्म मंदिर में इस मौके पर लंगर भंडारे का आयोजन किया गया। सिरसा के संस्थापक सरसांई नाथ बाबा की पूजा अर्चना की साथ ही जलाभिषेक किया। परशुराम चौक स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया और लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। रानियां रोड स्थित गली जंडी वाली में पीपाजी मंदिर में पुजारी चंद्रशेखर दायमा ने महारुद्राभिषेक करवाया।

सिरसा। महाशिवरात्रि पर्व पर शिवपुरी स्थित भूतेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक को कतार में लगे श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

सिरसा। महाशिवरात्रि पर्व पर शिव मंदिर में जलाभिषेक करते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

## रॉयल स्कूल खारा खेड़ी में महाशिवरात्रि की धूम

- छात्रा दिव्यांशी ने अंग्रेजी भाषा में शिव-पार्वती की महिमा गाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

गांव खाराखेड़ी स्थित रॉयल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल में महाशिवरात्रि पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कक्षा आठवीं की छात्रा निहारिका एवं जिया द्वारा किया गया। कक्षा नौवीं की छात्रा भाविका ने अपने भाषण में महाशिवरात्रि पर्व क्यों, कब और कैसे मनाया जाता है तथा पौराणिक मान्यताओं को दर्शाया। इसके साथ ही कक्षा आठवीं की छात्रा दिव्यांशी ने अंग्रेजी भाषा में शिव-पार्वती की महिमा का गुणगान किया। बगड़ बम बगड़ बम, आरम्भ है प्रचण्ड, शिव-शिव शंकर जय-जय शंकर आदि शिव भजनों पर कक्षा पांचवीं, सातवीं व आठवीं की छात्राओं ने अपने अद्भुत नृत्य से सम्पूर्ण दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कक्षा आठवीं की छात्राओं खुशी, हर्ष, दिव्या व याचना द्वारा शिव तांडव की प्रस्तुति काफी मनमोहक रही। कक्षा तीसरी की छात्रा दक्षिता ने रौद्र रस में सम्पूर्ण शिवताण्डव को गाकर सभी को आकर्षित व अचंभित किया। स्कूल संचालिका डॉ. ज्योत्सना, ब्रिगेडियर विनोद कुमार रिटायर्ड, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल डॉ. डीवी नेहरा एवं स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य ने टीम का स्वागत किया। टीम ने पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों से संबंधित स्कूल के विभिन्न अभिलेखों का निरीक्षण किया।

फतेहाबाद। रॉयल स्कूल खाराखेड़ी में महाशिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

## 'सज रहे भोले बाबा निराले दूल्हे से' भजन पर झूमे भक्त

- श्री दुर्गा आदि शक्ति पीठ महाकाली मंदिर का वार्षिक महोत्सव सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

श्री दुर्गा आदि शक्ति पीठ महाकाली मंदिर के 56वें वार्षिक महाशिवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में शिव पुराण कथा एवं विशाल भंडारे का बुधवार को समापन हुआ। पांच दिवसीय महोत्सव में श्री चंडी देवी मंदिर की संचालक माता सत्यम् देवा ने शिव महिमा का गुणगान करके माहौल को भक्तिमय बना दिया। समारोह की अध्यक्षता पंडित चरणजीत शर्मा ने की। शहर के अनेक गणमान्य लोगों ने समारोह में पहुंचकर पूजा अर्चना की और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे वाले बाबा पंडित चरणजीत शर्मा ने आए हुए गणमान्य लोगों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। इस मौके पर मंदिर के संरक्षक रामराज मेहता, बंसीधर वधवा, डॉ. जगदीश मुंजाल, महेन्द्र मदान, डॉ. खुराना, पंडित सन्नी शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। समारोह में पहुंचे शिव भक्तों ने भगवान शिव के दरबार के समक्ष हाजिरी लगवाई वहीं माथा टेक करके भगवान शिव के चरणों में नतमस्तक हुए। शिव संकीर्तन व सत्संग के दौरान राजेश सरल, राकेश सरल, बाबू सरल ने भगवान शिव की महिमा का गुणगान किया। माता सत्यम देवा ने शिव भक्ति के भजनों की अमृत वर्षा की। माता सत्यम देवा के भजनों पर श्रद्धालु महिलाएं नाचने पर मजबूर हो गई। माता सत्यम् देवा के 'सज रहे भोले बाबा निराले दुल्हे से, भजन गाकर शिव भोले की बारात का वर्णन किया। वृंदावन से आए अरविंद कृष्णम् महाराज ने प्रवचन करते हुए कहा कि भगवान शिव बड़े दयालु हैं। भगवान शिव के चरणों में जो श्रद्धा से आकर सिर झुकाता है, उस शिव भक्त के जीवन में हमेशा खुशियां ही खुशियां रहती हैं। जीवन में दुख दरिद्रता दूर भाग जाती है। अरविंद कृष्ण महाराज ने कहा कि भगवान शिव की आराधना जीवन में अवश्य अपनाएं। इस अवसर पर श्री आदिशक्ति पीठ महाकाली मंदिर के सेवादारों ने श्रद्धालुओं के लिए व्यापक प्रबंध कर रखे थे। कार्यक्रम में सजा भगवान शिव का दरबार देखने योग्य था। भंडारे वाले बाबा चरणजीत शर्मा ने श्रद्धालुओं को शिवरात्रि महापर्व की शुभकामनाएं प्रदान करते हुए इस आयोजन की बधाई दी।

फतेहाबाद। महोत्सव में भजन प्रस्तुत करती सत्यम् देवा व समापन कार्यक्रम में भाग लेते अतिथिगण व श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

### खबर संक्षेप

#### महिला ने ज्वैलर्स की दुकान से चुराई अंगूठी

सिरसा। रोड़ी बाजार में श्रीराम हंस ज्वैलर्स की दुकान पर आई महिला दुकानदार को बातों में लगाकर सोने की अंगूठी चुराकर ले गई। पुलिस को दी शिकायत में सी ब्लॉक निवासी सुरेंद्र फुटेला ने बताया कि बीती 11 फरवरी को एक औरत दुकान पर आभूषण खरीदने के लिए आई थी। इसी दौरान वह मौका पाकर उसे बातों में लगाकर सोने की अंगूठी चोरी कर ले गई।

#### गल्ले से नकदी व सोने की अंगूठी चोरी

सिरसा। शहर के जनता अस्पताल के समीप एक दुकान के गल्ले से चोर मौका पाकर 20 हजार रुपए की नकदी सहित एक सोने की अंगूठी चोरी कर ले गया। पुलिस को दी शिकायत में रत्ताखेड़ा निवासी रिंकू कुमार ने बताया कि उसकी जनता अस्पताल के पास बाइक सेल परचेज की दुकान है। बीती 25 फरवरी की दोपहर को वह किसी काम से बाजार में गया था।

#### चोर बाइक पर रखा मोबाइल लेकर फरार

सिरसा। जिला के गांव दयासिंह थेहड़ में चोर एक व्यक्ति के मोटरसाइकिल पर रखा फोन चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में सतपाल सिंह ने बताया कि वह बजाज फाइनेंस ऐलनाबाद में काम करता है। उसने बताया कि बीती 24 फरवरी की शाम को वह घर आया था। गेट के बाहर बाइक खड़ी की। उसने अपना फोन बाइक पर छोड़ा और गेट खोलने के लिए चला गया।

## फतेहाबाद के सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों की कमी, सीएम और सांसद को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिला मुख्यालय पर स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के चलते लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिला अस्पताल में अनेक विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के कारण अस्पताल में उपचार करवाने आए मरीजों को निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर गांव हिजरावां कलां निवासी प्रमुख समाजसेवी सतपाल बाजीगर ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व राज्यसभा सांसद सुभाष बराला को पत्र लिखकर फतेहाबाद के सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों की कमी को पूरा करने सहित अन्य सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग की है। सतपाल बाजीगर ने अपने पत्र में कहा है कि फतेहाबाद के सरकारी अस्पताल में पिछले काफी समय से अनेक चिकित्सकों की कमी है। अस्पताल में कोई सर्जन नहीं है वहीं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर के न होने से मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा भी यहां अनेक चिकित्सकों के पद लंबे समय से खाली पड़े हैं। चिकित्सकों की कमी के कारण फतेहाबाद व आसपास के गांवों के लोगों को फतेहाबाद के अलावा हिसार व सिरसा के निजी अस्पतालों में महंगा उपचार करवाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस कारण न केवल उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है वहीं आपातकाल स्थिति में मरीजों को जान से भी हाथ धोना पड़ जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए कृतसंकल्प है। सतपाल बाजीगरण ने सीएम और राज्यसभा सांसद से फतेहाबाद के सरकारी अस्पताल में सर्जन, हड्डी रोग विशेषज्ञ चिकित्सक सहित अन्य डॉक्टरों के खाली पदों को भरने की मांग की है ताकि लोगों को बेहतर उपचार के लिए इधर-उधर न भटकना पड़े।

सतपाल बाजीगर।

- चिकित्सकों की कमी को पूरा करें सरकार ताकि लोगों को मिल सके बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं : सतपाल

## टॉवर लगाने के नाम पर ठगी, आरोपी काबू

- पुलिस ने 29 दिसंबर को गांव खजूरी जाटी निवासी मुकेश की शिकायत पर केस दर्ज किया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

साइबर ठगों की धरपकड़ करते हुए साइबर क्राइम थाना फतेहाबाद पुलिस ने खेत में टॉवर लगाने के नाम पर एक युवक से लाखों रुपये ठगने के मामले में दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए युवक की पहचान सुनील उर्फ तूरी पुत्र कपाल सिंह निवासी इन्द्रा कालोनी, हांसी के रूप में हुई है। आरोपी को माननीय अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। इस मामले में एक आरोपी स्पर्श पुत्र प्रेम कुमार निवासी सिरसा को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इस बारे पुलिस ने 29 दिसंबर को गांव खजूरी जाटी निवासी मुकेश की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

### फोनकर मंजूरी की बात कही थी

शिकायतकर्ता के अनुसार उसके पास फोन आया। फोन करने वाले ने कहा कि आपके खेत में मोबाइल टावर मंजूर हुआ है और क्या आप टॉवर लगवाना चाहते हैं। इस पर उसने हां भर दी। उक्त युवक ने कम्पनी के टॉवर लगवाने के अलग-अलग फायदे बताते हुए उसे अपनी बातों में उलझा लिया। इसके बाद उसके पास व्हाटसएप पर जिंदल टॉवर कारपोरेशन कम्पनी की तरफ से एक अप्रूवल लेटर भेजा गया और उससे कहा कि उसे टावर लगवाने के लिए 2350 रुपये की राशि अदा करनी होगी। इसके बाद उसे लोकेश कुमार नाम से भेजे गए क्यूआर कोड पर 2350 रुपये भेज दिए। युवक ने आरोप लगाा कि आरोपियों उससे कभी चैक के 2 प्रतिशत, गाड़ी का किराया, नोटरी फाइल खर्च के नाम पर पैसे मांगते रहे। इस पर उसने कुल 2 लाख 53 हजार 600 रुपये उक्त लोगों के खातों में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपियों ने उसे ट्रक में टावर का सामान, जरनेटर व जहाज के टिकट की फोटो भेजी और 60 हजार रुपये की मांग करते हुए कहा कि उनके अफसर बैंगलोर से आ रहे हैं और उसके बाद यह सामान उसे भेज

## दो भाइयों के बैंक खातों के कागजात को लेकर किया अवैध लेन-देन

- साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

फतेहाबाद। फतेहाबाद में दो भाइयों के बैंक खातों के सारे कागजात लेकर एक व्यक्ति द्वारा उनके खातों में अवैध लेन-देन करने का मामला सामने आया है। युवकों के पिता का कहना है कि आरोपी उसके लडक़ों के बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर क्राइम में कर रहा है। इस मामलें में साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव खजूरी जाटी निवासी बलवंत ने कहा है कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। उसके दोनों लडक़े राकेश व सुनील पहले हरमिन्द्र सिंह पेट्रोल पम्प पर काम करते थे। उसके बाद दोनों हिसार रोड पर बने सीएनजी पम्प पर काम करने लगे। पेट्रोल पम्प पर रामदयाल उर्फ मांगेराम निवासी एमपी रोही आता जाता रहता था। इस कारण उसके लडक़ों की रामदयाल से दोस्ती हो गई। रामदयाल ने सुनील को कहा कि उसकी गुरूग्राम में एक कम्पनी के मैनेजर के साथ अच्छी जान-पहचान है और वह उसे उस कम्पनी में नौकरी लगा देगा और उसे 29 हजार रुपये सैलरी मिलेगी। सैलरी सीधे बैंक खाते में आएगी, इसलिए उसे बैंक खाते की जरूरत होगी। सुनील ने बैंक में खाता खुलवा लिया। इसके बाद अक्टूबर 2022 में रामदयाल के कहने पर सुनील ने इंडसईड बैंक में खाता खुलवाया। इसके बाद रामदयाल ने कम्पनी में रजिस्ट्रेशन के नाम पर उसके बैंक के सभी दस्तावेज, एटीएम, चैकबुक व पासबुक ले ली।

### कार्यक्रम

## आर्य समाज द्वारा चार दिवसीय ऋग्वेद पारायण यज्ञ का हुआ समापन

# स्वामी दयानंद सरस्वती ने सामाजिक कुरीतियों, पाखंड व अंधविश्वास के खिलाफ लोगों को जागृत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

आर्य समाज फतेहाबाद द्वारा सुंदरनगर स्थित आर्य समाज भवन में आयोजित चार दिवसीय ऋग्वेद पारायण यज्ञ का समापन ऋषि बोधोत्सव के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम में आचार्य पवनवीर, मुजफ्फरनगर, उत्तरप्रदेश ब्रह्मा रहे वहीं प्रताप शास्त्री व दीपक शास्त्री ने वैदिक मंत्रों का पाठ किया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य पवनवीर ने कहा कि हमारे जीवन में महाशिवरात्रि का विशेष महत्व है। इसी दिन स्वामी दयानंद सरस्वती को बोध हुआ था तथा वह अपने जीवन में सच्चे शिव को प्राप्त करने के लिए समर्पित हो गए। उन्होंने 1875 ई. में बम्बई में आर्य समाज की स्थापना करके 19वीं शताब्दी में समाज में फैली सामाजिक कुरीतियों, पाखंड व अंधविश्वास का विरोध करते हुए समाज में जागृति लाने का प्रयास किया। आचार्य पवनवीर ने कहा कि प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन में अनेक क्रांतिकारियों के साथ मिलकर देश को आजाद करवाने में स्वामी दयानंद सरस्वती ने अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया। ऋषि दयानंद ने समाज को वेदों का वास्तविक ज्ञान करवाया।

फतेहाबाद। यज्ञ में भाग लेते आर्य समाज के सदस्य।

### आचार्य पवनवीर ने यज्ञ की महिमा बताई

आचार्य पवनवीर ने यज्ञ की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि यज्ञ पृथ्वी के हर प्राणी के लिए अत्यंत लाभकारी है। मानव को यज्ञ करने से सुख-समृद्धि एवं शांति की प्राप्ति होती है। इसलिए मनुष्य को जीवन को सफल बनाने के लिए यज्ञ अवश्य करना चाहिए। इस चार दिन के ऋग्वेद पारायणयज्ञ में शहर के प्रमुख समाजसेवी राजेन्द्र चौधरी काका यज्ञमान बने वहीं आर्य समाज के पूर्व प्रधान बंसीलाल आर्य, वर्तमान प्रधान अरूण ग्रोवर, सचिव डॉ.राजवीर शास्त्री, सतीश चौधरी, सुरेश रेहलन व मा. रोशन लाल गोदारा ने भी यज्ञ में यज्ञमान बनकर आहूतियां प्रदान की।